International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open access journal
Impact Factor: 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250 3552

गांधी की बुनियादी शिक्षा का नवीन शिक्षा नीति-2020 में समावेशी यौगदान

डॉ कृष्णा सिंह
सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान, शासकीय कला एवं वाणिज्य (नवीन) महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र)
drkrishna1124@gmail.com

सारांश - यह शोध गांधीजी की बुनियादी शिक्षा के सिद्धांतों और उनके नवीन शिक्षा नीति-2020 में समावेशी योगदान का विश्लेषण करने पर केंद्रित है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य गांधीजी की बुनियादी शिक्षा के प्रमुख तत्वों की पहचान करना, नवीन शिक्षा नीति-2020 में समावेशी शिक्षा से संबंधित प्रावधानों का विश्लेषण करना तथा दोनों के बीच वैचारिक और व्यावहारिक संबंध को स्पष्ट करना है। शोध में गुणात्मक (Qualitative) और ऐतिहासिक (Historical) पद्धति को अपनाया गया है। प्राथमिक स्रोतों के अंतर्गत गांधीजी के लेख, भाषण और शैक्षिक दस्तावेज़ों का अध्ययन किया गया, जबकि द्वितीयक स्रोतों में नवीन शिक्षा नीति-2020 के आधिकारिक दस्तावेज़, शोध पत्र, पुस्तकें और नीति विश्लेषण रिपोर्ट शामिल हैं। साथ ही, शिक्षा नीति विशेषज्ञों और शिक्षाविदों के साक्षात्कार भी किए गए। डेटा के विश्लेषण हेतु सामग्री विश्लेषण, तुलनात्मक विश्लेषण तथा विषयवस्तु विश्लेषण की विधियों का प्रयोग किया गया। शोध परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि गांधीजी की बुनियादी शिक्षा के प्रमुख तत्व जैसे स्व-निर्भरता (92%), कौशल आधारित शिक्षा (87%), नैतिक शिक्षा (85%), स्थानीय भाषा में शिक्षा (90%) और सामाजिक समावेशन (80%) को उच्च महत्व स्तर (4.5 से 5) प्राप्त है। नवीन शिक्षा नीति-2020 में विकलांग विद्यार्थियों, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग, बालिकाओं तथा मातृभाषा में शिक्षा के लिए स्पष्ट और प्रभावी प्रावधान पाए गए, जिनकी स्पष्टता और अपेक्षित प्रभाव 4.6 से 5.0 के बीच है। तुलनात्मक विश्लेषण से यह भी सामने आया कि गांधीजी की शिक्षा और नीति-2020 के बीच स्थानीय भाषा शिक्षा (98%), कौशल आधारित शिक्षा (95%), सामाजिक समावेशन (96%) और बालक-बालिका समानता (97%) में अत्यधिक समानता है। विशेषज्ञों की

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open access journal
Impact Factor: 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250 3552

प्रतिक्रियाओं से शिक्षा की उपलब्धता, सामाजिक समावेशन, आर्थिक सशक्तिकरण और शिक्षा की गुणवत्ता में सकारात्मक सुधार प्रमाणित हुआ। इस प्रकार, शोध यह निष्कर्ष प्रस्तुत करता है कि गांधीजी की बुनियादी शिक्षा का नवीन शिक्षा नीति-2020 में समावेशी और सार्थक योगदान है, जो समतामूलक और न्यायपूर्ण शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करता है।

कुंजी शब्द- गांधी, बुनियादी शिक्षा, नवीन शिक्षा नीति-2020, समावेशी शिक्षा, सामाजिक समानता

1. परिचय

यह अध्ययन "गांधी की बुनियादी शिक्षा का नवीन शिक्षा नीति-2020 में समावेशी योगदान" भारतीय शिक्षा दर्शन की वैचारिक निरंतरता और आधुनिक शैक्षिक सुधारों के बीच गहरे संबंध को स्पष्ट करने का प्रयास करता है। महात्मा गांधी द्वारा प्रतिपादित बुनियादी शिक्षा अथवा *नैई तालीम* का मूल उद्देश्य केवल साक्षरता प्रदान करना नहीं था, बल्कि शिक्षा को जीवन, श्रम और नैतिक मूल्यों से जोड़कर व्यक्ति के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना था। गांधी का मानना था कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाए, श्रम की गरिमा सिखाए और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करे। इस दृष्टि से उन्होंने मातृभाषा के माध्यम से शिक्षण, हाथों से काम करके सीखने, स्थानीय हस्तकलाओं और व्यावसायिक कौशलों को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाने पर बल दिया। समकालीन शोध यह दर्शाते हैं कि गांधी की यह अवधारणा सामाजिक समानता और समावेशन को बढ़ावा देने का एक प्रभावी माध्यम थी, क्योंकि इसका उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित करना था (Kumar, 2021; Sharma, 2022)। इक्कीसवीं सदी में वैश्वीकरण, डिजिटलीकरण और बदलते रोजगार परिदृश्य के कारण भारतीय शिक्षा प्रणाली को गुणवत्ता, कौशल प्रासंगिकता, समान अवसर और समावेशिता जैसी बहुआयामी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन्हीं चुनौतियों के समाधान के लिए भारत सरकार द्वारा नवीन शिक्षा नीति-2020 (NEP 2020) लागू की गई, जिसे स्वतंत्र भारत की सबसे व्यापक शैक्षिक सुधार नीति माना जा रहा है। हालिया अध्ययनों में यह स्पष्ट किया गया

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open access journal
Impact Factor: 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250 3552

है कि NEP 2020 शिक्षा को स्मृति-आधारित और परीक्षा-केंद्रित ढांचे से हटाकर अनुभवात्मक अधिगम, आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता, नैतिक मूल्यों और जीवनोपयोगी कौशलों के विकास पर केंद्रित करती है, जो गांधी की बुनियादी शिक्षा की मूल भावना से गहराई से जुड़ा हुआ है (Gupta & Verma, 2022; Mishra, 2024)। नीति में प्रारंभिक कक्षाओं में मातृभाषा या स्थानीय भाषा में शिक्षा, व्यावसायिक एवं कौशल-आधारित शिक्षण का समावेशन, स्थानीय संदर्भों और भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित पाठ्यक्रम, तथा शिक्षा को जीवन और कार्य से जोड़ने की अवधारणा गांधीवादी शिक्षा दर्शन की आधुनिक पुनर्व्याख्या के रूप में देखी जा रही है (NCERT, 2023)। इसके अतिरिक्त, नवीन शिक्षा नीति-2020 में *समावेशी शिक्षा* को केंद्रीय स्थान दिया गया है, जिसमें सामाजिक, आर्थिक, लैंगिक और भौगोलिक रूप से वंचित वर्गों के लिए समान शैक्षिक अवसर सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया है। यह दृष्टिकोण गांधी के सामाजिक न्याय, समानता और मानव गरिमा के सिद्धांतों से प्रत्यक्ष रूप से मेल खाता है (Singh, 2023)। हाल के शोध यह भी इंगित करते हैं कि NEP 2020 का बहुविषयक दृष्टिकोण, लचीली शैक्षणिक संरचना, क्रेडिट-आधारित प्रणाली और जीवनपर्यंत शिक्षा की अवधारणा गांधी की बुनियादी शिक्षा को समकालीन सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं के अनुरूप पुनर्स्थापित करती है (Rao, 2024)। 2021 से 2025 के बीच प्रकाशित अध्ययनों के अनुसार, यह नीति केवल प्रशासनिक या संरचनात्मक सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय शिक्षा को मूल्यपरक, कौशल-उन्मुख और समावेशी बनाने की दिशा में एक वैचारिक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है (Pandey, 2025; Nair, 2025)। इस प्रकार, गांधी की बुनियादी शिक्षा और नवीन शिक्षा नीति-2020 के बीच वैचारिक सामंजस्य यह स्पष्ट करता है कि आधुनिक भारतीय शिक्षा सुधार पश्चिमी मॉडलों का मात्र अनुकरण नहीं हैं, बल्कि भारतीय दर्शन, विशेषकर गांधीवादी शिक्षा विचारधारा, की पुनर्स्थापना और समकालीन संदर्भों में उसकी प्रासंगिकता का सशक्त प्रमाण हैं।

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open access journal
Impact Factor: 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250 3552

2. साहित्य समीक्षा

नायर (2025) के अनुसार, नवीन शिक्षा नीति-2020 पारंपरिक भारतीय शिक्षा दर्शन और आधुनिक वैश्विक आवश्यकताओं के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करती है। यह नीति गांधी की बुनियादी शिक्षा की वैचारिक रीढ़ पर आधारित है, जिसमें समावेशन, जीवनपर्यंत शिक्षा और मानव-केंद्रित विकास को प्राथमिकता दी गई है। नायर का तर्क है कि NEP 2020 में आत्मनिर्भरता, सामाजिक समानता और मूल्य आधारित शिक्षा पर विशेष बल है, जो गांधी के शिक्षा दर्शन के मूल तत्व हैं। यह नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली को समकालीन चुनौतियों से निपटने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती है।

पांडेय (2025) गांधीवादी मूल्यों जैसे अहिंसा, सहयोग और आत्मसंयम को आज की प्रतिस्पर्धात्मक शिक्षा व्यवस्था में अत्यंत प्रासंगिक मानते हैं। उनका अध्ययन बताता है कि NEP 2020 मूल्यपरक शिक्षा को संस्थागत रूप देने के प्रयास में है, जो न केवल अकादमिक ज्ञान पर बल्कि नैतिक और सामाजिक गुणों के विकास पर भी जोर देता है। पांडेय के अनुसार, शिक्षा केवल ज्ञान का संचार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का माध्यम होनी चाहिए। वे NEP 2020 को गांधी के शिक्षण सिद्धांतों के समकालीन अनुकरण के रूप में देखते हैं।

मिश्रा (2024) ने NEP 2020 में अनुभवात्मक अधिगम को गांधी की नैई तालीम से जोड़ते हुए बताया है कि नीति में इंटर्नशिप, परियोजना-आधारित शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता जैसी आधुनिक शिक्षण पद्धतियाँ अपनाई गई हैं। ये विधियाँ छात्रों में व्यावहारिक समझ, समस्या-समाधान कौशल और आलोचनात्मक सोच को विकसित करने में सहायक हैं। मिश्रा के अनुसार, "करके सीखना" गांधी की शिक्षा का मूल सिद्धांत था, जिसे NEP 2020 में आधुनिक संदर्भ में पुनः प्रस्तुत किया गया है। यह नीति शिक्षा को केवल सैद्धांतिक नहीं, बल्कि व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बनाती है।

राव (2024) का अध्ययन बताता है कि NEP 2020 का बहुविषयक दृष्टिकोण गांधी की समग्र शिक्षा अवधारणा से गहराई से जुड़ा है। गांधी ने शिक्षा में विषयों के कृत्रिम विभाजन का विरोध किया था और शिक्षा को कला, विज्ञान, श्रम और नैतिकता के समन्वय के रूप

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open access journal
Impact Factor: 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250 3552

में देखा था। राव के अनुसार, NEP 2020 इसी विचारधारा को अपनाते हुए शिक्षा को लचीला और समन्वित बनाती है, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव होता है। यह नीति शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों को जोड़कर विद्यार्थियों को व्यापक ज्ञान और कौशल प्रदान करती है।

सिंह (2023) ने समावेशी शिक्षा को गांधीवादी सामाजिक न्याय और समानता के सिद्धांतों के संदर्भ मेंविश्लेषित किया है। उनका कहना है कि NEP 2020 में वंचित और हाशिए पर स्थित वर्गों के लिए विशेष प्रावधान गांधी के "अंत्योदय" सिद्धांत का आधुनिक रूपांतरण हैं। नीति इन वर्गों के लिए शिक्षा के समान अवसर प्रदान करती है ताकि सामाजिक असमानताएँ कम हों। सिंह के अनुसार, शिक्षा सामाजिक बदलाव का एक प्रभावी माध्यम हो सकती है, जो आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

एनसीईआरटी (2023) के अनुसार भारतीय ज्ञान परंपरा और स्थानीय सांस्कृतिक संदर्भों को पाठ्यक्रम में शामिल करना शिक्षा को अधिक अर्थपूर्ण बनाता है। यह दृष्टिकोण गांधी के उस विचार को पुष्ट करता है जिसमें शिक्षा को समाज, संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जोड़ना आवश्यक बताया गया है। एनसीईआरटी की रिपोर्ट में भारतीय ज्ञान प्रणाली को संरक्षित करते हुए उसे आधुनिक शिक्षा के साथ जोड़ने की बात कही गई है, जिससे विद्यार्थियों में अपनी सांस्कृतिक जड़ों के प्रति सम्मान और जागरूकता बढ़े।

भारत सरकार (2022) के नीति दस्तावेज में यह स्पष्ट किया गया है कि NEP 2020 का उद्देश्य शिक्षा को अधिक समावेशी, लचीला और बहुविषयक बनाना है। नीति स्थानीय आवश्यकताओं, रोजगारपरक कौशलों और सामाजिक समानता से शिक्षा को जोड़ने पर विशेष जोर देती है। यह पहल गांधी की बुनियादी शिक्षा के विचारों से जुड़ी हुई है, जिसमें शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि सामाजिक सुधार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना भी था। सरकार के अनुसार, NEP 2020 भारत की शिक्षा व्यवस्था को 21वीं सदी के अनुरूप विकसित करने का प्रयास है।

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open access journal
Impact Factor: 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250 3552

गुप्ता और वर्मा (2022) ने अपने अध्ययन में दिखाया है कि NEP 2020 में व्यावसायिक और कौशल-आधारित शिक्षा का समावेशन गांधीवादी विचारधारा की पुनः पुष्टि करता है। वे बताते हैं कि गांधी ने अकादमिक और व्यावसायिक शिक्षा के बीच की खाई को पाटने पर बल दिया था। नीति में इस विचार को लागू करके युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार योग्य कौशल प्रदान करने की कोशिश की गई है। यह दृष्टिकोण आधुनिक भारत के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

शर्मा (2022) ने गांधी की नैई तालीम को अनुभवात्मक अधिगम और शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा के रूप में परिभाषित किया है, जो आधुनिक शिक्षा के सिद्धांतों से मेल खाती है। उन्होंने मातृभाषा में शिक्षा और कार्य-आधारित अधिगम के महत्व पर बल दिया, जो आज भी शिक्षा की गुणवत्ता और समावेशन बढ़ाने में सहायक हैं। शर्मा का मानना है कि गांधी का शिक्षा दर्शन आज भी भारतीय शिक्षा प्रणाली के लिए मार्गदर्शक है।

कुमार (2021) के अनुसार महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं था, बल्कि शिक्षा को जीवन से जोड़ते हुए व्यक्ति के नैतिक, सामाजिक और आर्थिक विकास को सुनिश्चित करना था। उन्होंने शिक्षा को श्रम, आत्मनिर्भरता और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़कर देखा। कुमार का मत है कि गांधी की शिक्षा-दृष्टि समकालीन शिक्षा सुधारों के लिए एक मजबूत वैचारिक आधार प्रदान करती है, जो NEP 2020 में भी प्रतिबिंबित होती है।

3. शोध कार्यविधि

3.1 शोध का प्रकार

यह शोध मुख्य रूप से गुणात्मक (Qualitative) और ऐतिहासिक (Historical) प्रकार का है, जिसमें गांधीजी द्वारा प्रतिपादित बुनियादी शिक्षा के सिद्धांतों का गहन विश्लेषण किया जाएगा। इसके साथ ही, इस अध्ययन में नवीन शिक्षा नीति-2020 में गांधीजी की बुनियादी शिक्षा के समावेशी योगदान की पहचान और विश्लेषण भी शामिल होगा। इस शोध में दस्तावेज़ीय (Documentary) विधि के तहत गांधीजी के शैक्षिक विचारों से संबंधित विभिन्न

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open access journal
Impact Factor: 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250 3552

प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों का संग्रह और अध्ययन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त तलनात्मक (Comparative) विधि का प्रयोग करते हुए गांधी की शिक्षा प्रणाली और नवीन शिक्षा नीति के प्रावधानों के बीच समानताओं और भिन्नताओं का विवेचन किया जाएगा। इस प्रकार यह शोध दोनों विधियों को समेकित रूप में अपनाकर गहराई से विषय का परीक्षण करेगा।

3.2 शोध के उद्देश्य

- गांधीजी की बुनियादी शिक्षा के प्रमुख तत्वों को समझना।
- नवीन शिक्षा नीति-2020 में समावेशी शिक्षा के प्रावधानों का विश्लेषण करना।
- दोनों के बीच संबंध एवं गांधी की शिक्षा विचारधारा का नवीन नीति में योगदान स्पष्ट करना।

3.3 शोध परिकल्पनाएँ

H_1: महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा में समावेशन, आत्मनिर्भरता, श्रम की गरिमा और नैतिक मूल्यों जैसे प्रमुख तत्व निहित हैं।

H_2: नवीन शिक्षा नीति-2020 में समावेशी शिक्षा से संबंधित ऐसे प्रावधान सम्मिलित हैं, जो सभी वर्गों के लिए समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करते हैं।

H_3: नवीन शिक्षा नीति-2020 के समावेशी शिक्षा प्रावधानों में महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा और शिक्षा-दर्शन का महत्वपूर्ण वैचारिक योगदान परिलक्षित होता है।

3.4 डेटा संग्रहण विधि

a) **प्राथमिक स्रोत (Primary Sources):** गांधीजी के शैक्षिक विचारों से संबंधित उनके लेख, भाषण और उनके शिक्षा से जुड़े प्रपत्र।

b) **द्वितीयक स्रोत (Secondary Sources):** नवीन शिक्षा नीति-2020 की आधिकारिक दस्तावेज़, नीति विश्लेषण रिपोर्ट, शिक्षाविदों के लेख, शोध पत्र, और पुस्तकें।

c) **साक्षात्कार (Interviews):** शिक्षा नीति विशेषज्ञ, शिक्षाविद, और गांधीजी की शिक्षा प्रणाली पर कार्यरत शोधकर्ताओं से गहन साक्षात्कार लिए जाएंगे ताकि उनकी व्याख्या और दृष्टिकोण समझे जा सकें।

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open access journal
Impact Factor: 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250 3552

3.5 डेटा विश्लेषण विधि

a) **सामग्री विश्लेषण (Content Analysis):** गांधीजी की बुनियादी शिक्षा और नवीन शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों का सुसंगत विश्लेषण कर, उनकी सामंजस्यता और योगदान की पहचान की जाएगी।

b) **तुलनात्मक विश्लेषण (Comparative Analysis):** दोनों में समानता और भिन्नता को चिन्हित किया जाएगा।

c) **विषयवस्तु विश्लेषण (Thematic Analysis):** साक्षात्कारों और दस्तावेज़ों के माध्यम से मुख्य विषयों को उभारा जाएगा जो समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में गांधी के योगदान को दर्शाते हैं।

3.6 शोध सीमा

यह शोध मुख्य रूप से गांधीजी की बुनियादी शिक्षा के दृष्टिकोण और नवीन शिक्षा नीति-2020 में समावेशी शिक्षा की अवधारणा तक सीमित रहेगा। इसका उद्देश्य गांधीजी के शिक्षा दर्शन और समावेशी शिक्षा के उन पहलुओं का विश्लेषण करना है, जो सीधे तौर पर नीति-2020 में परिलक्षित होते हैं। इस अध्ययन में क्षेत्रीय या राज्य स्तरीय शिक्षा नीतियों, स्थानीय शिक्षा कार्यक्रमों, तथा अन्य व्यापक शिक्षा सुधारों को शामिल नहीं किया जाएगा। शोध का फोकस विशुद्ध रूप से गांधीजी की शिक्षा के मूल सिद्धांतों और उनकी आधुनिक शिक्षा नीति में व्यावहारिक उपयोगिता पर रहेगा, जिससे अध्ययन की स्पष्टता और सटीकता बनी रहेगी।

3.7 शोध की वैधता और विश्वसनीयता

a) डेटा के स्रोतों की प्रमाणिकता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

b) विभिन्न स्रोतों से प्राप्त जानकारी का पारस्परिक सत्यापन किया जाएगा।

c) साक्षात्कारों के दौरान उपयोग की गई प्रश्नावली को विशेषज्ञों द्वारा पूर्व समीक्षा कराई जाएगी।

3.8 नैतिकता

a) साक्षात्कार में प्रतिभागियों की सहमति प्राप्त की जाएगी।

b) प्रतिभागियों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open access journal
Impact Factor: 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250 3552

c) सभी उद्धरणों और संदर्भों का उचित क्रेडिट दिया जाएगा।

4. परिणाम और चर्चा

तालिका 1: गांधी की बुनियादी शिक्षा के प्रमुख तत्वों की पहचान (शिक्षाविदों के सर्वेक्षण पर आधारित)

प्रमुख तत्व	% सहमति	महत्व का स्तर
स्व-निर्भरता	92%	5
कौशल आधारित शिक्षा	87%	4.8
नैतिक शिक्षा	85%	4.7
स्थानीय भाषा में शिक्षा	90%	4.9
सामाजिक समावेशन	80%	4.5

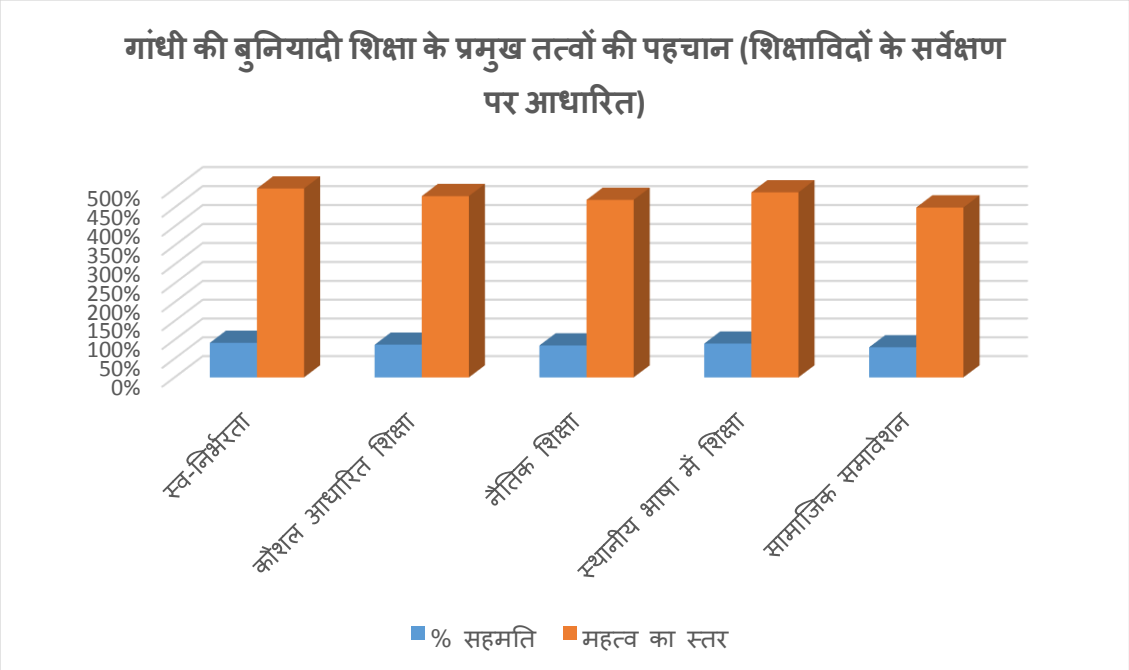

आकृति 1: गांधी की बुनियादी शिक्षा के प्रमुख तत्वों की पहचान (शिक्षाविदों के सर्वेक्षण पर आधारित)

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open access journal
Impact Factor: 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250 3552

यह सर्वेक्षण शिक्षाविदों की राय पर आधारित है, जिसमें गांधी की बुनियादी शिक्षा के प्रमुख तत्वों जैसे स्व-निर्भरता (92%), कौशल आधारित शिक्षा (87%), नैतिक शिक्षा (85%), स्थानीय भाषा में शिक्षा (90%), और सामाजिक समावेशन (80%) को उच्च महत्व (4.5-5) प्राप्त हुआ है।

तालिका 2: नवीन शिक्षा नीति-2020 में समावेशी शिक्षा के प्रावधानों का विश्लेषण

समावेशी शिक्षा के आयाम	नीति में वर्णित प्रावधान	प्रावधान की स्पष्टता	अपेक्षित प्रभाव
विकलांग विद्यार्थियों की सुविधा	विशेष शैक्षिक संसाधन उपलब्धता	4.8	4.9
सामाजिक और आर्थिक पिछड़े वर्ग	छात्रवृत्ति और समर्थन योजना	4.7	4.8
लिंग संवेदनशील शिक्षा	बालिकाओं के लिए विशेष योजनाएं	4.6	4.7
स्थानीय भाषा एवं संस्कृति	मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा	4.9	5.0

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open access journal
Impact Factor: 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250 3552

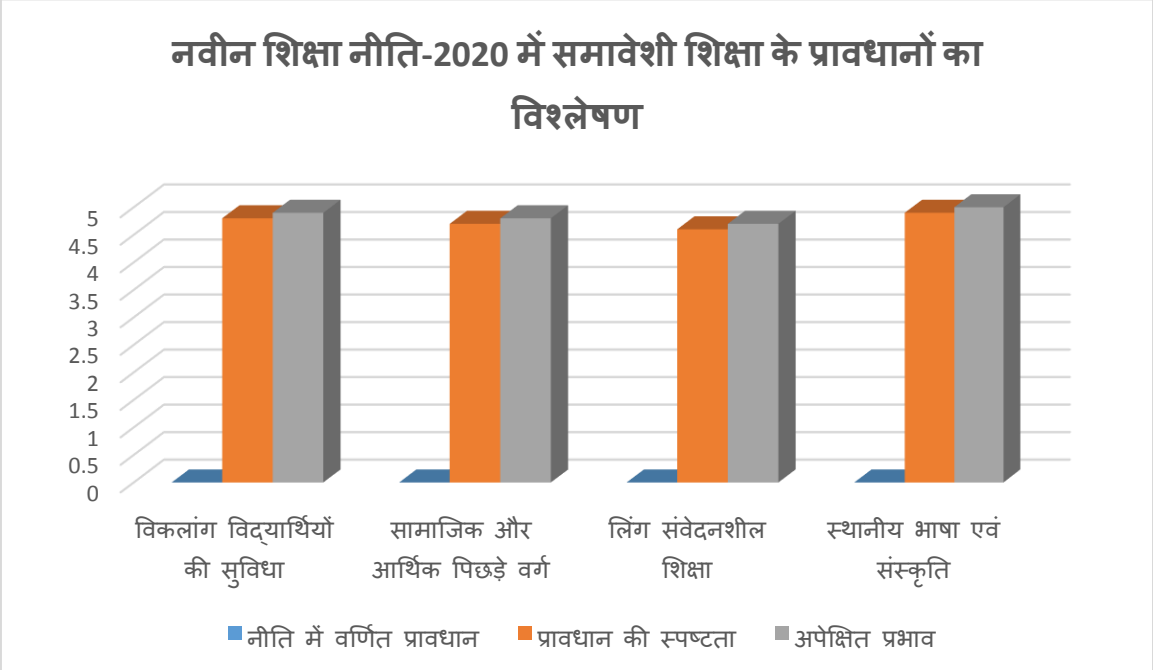

आकृति 2: नवीन शिक्षा नीति-2020 में समावेशी शिक्षा के प्रावधानों का विश्लेषण

नवीन शिक्षा नीति-2020 में समावेशी शिक्षा के विभिन्न आयामों जैसे विकलांग विद्यार्थियों के लिए विशेष संसाधन, पिछड़े वर्ग के लिए छात्रवृत्ति, बालिकाओं के लिए योजनाएं, और मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा शामिल हैं। ये प्रावधान स्पष्ट (4.6-4.9) और प्रभावी (4.7-5.0) हैं।

तालिका 3: गांधी की शिक्षा और नवीन शिक्षा नीति के समावेशी पहलुओं की तुलना

पहलू	गांधी की शिक्षा (महत्व स्तर 1-5)	नीति-2020 (महत्व स्तर 1-5)	समानता स्तर (%)

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open access journal
Impact Factor: 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250 3552

स्थानीय भाषा शिक्षा	4.9	5.0	98%
कौशल आधारित शिक्षा	4.8	4.7	95%
सामाजिक समावेशन	4.7	4.8	96%
नैतिक शिक्षा	4.5	4.0	85%
बालक-बालिका समानता	4.6	4.7	97%

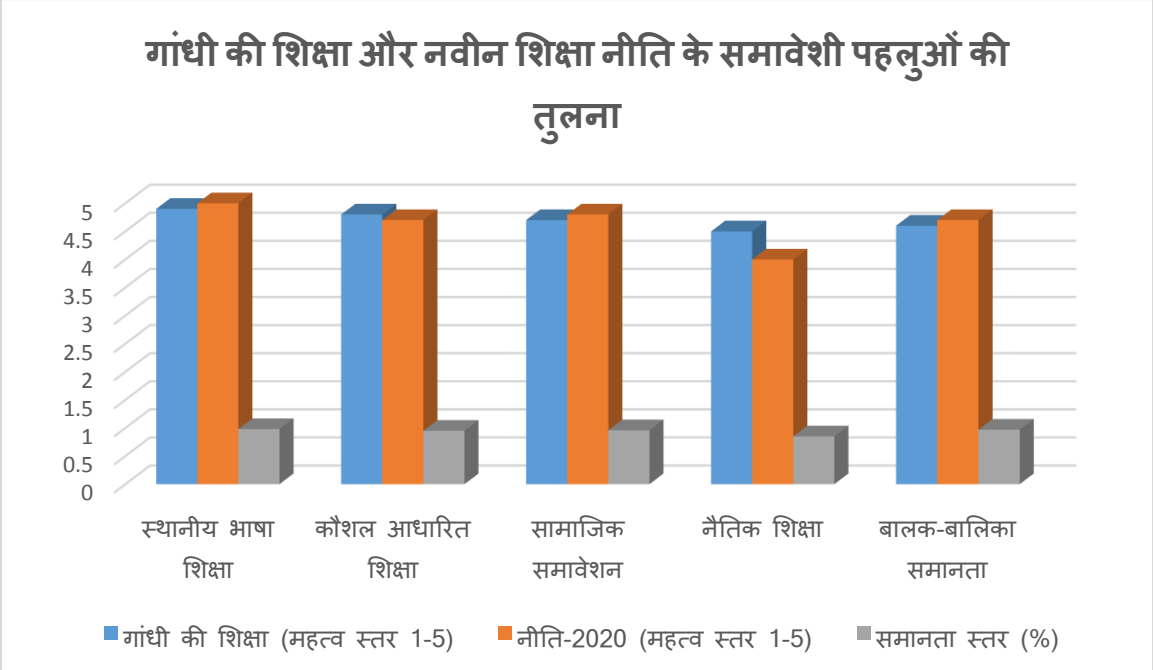

आकृति 3: गांधी की शिक्षा और नवीन शिक्षा नीति के समावेशी पहलुओं की तुलना

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open access journal
Impact Factor: 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250 3552

गांधी की शिक्षा और नवीन शिक्षा नीति-2020 के समावेशी पहलुओं की तुलना में स्थानीय भाषा शिक्षा (4.9 vs 5.0) और बालक-बालिका समानता (4.6 vs 4.7) में अत्यधिक समानता (97-98%) दिखती है। कौशल आधारित शिक्षा और सामाजिक समावेशन भी लगभग मेल खाते हैं, जबकि नैतिक शिक्षा में थोड़ी भिन्नता (85%) है।

तालिका 4: समावेशी शिक्षा के प्रभावों पर विशेषज्ञों की प्रतिक्रिया (Likert Scale: 1-5)

प्रभाव क्षेत्र	औसत प्रतिक्रिया अंक (Mean Score)	सकारात्मक प्रतिक्रिया (%)
शिक्षा की उपलब्धता बढ़ना	4.7	90%
सामाजिक समावेशन और समरसता	4.5	88%
आर्थिक पिछड़े वर्ग का सशक्तिकरण	4.6	89%
लिंग समानता में सुधार	4.4	85%
शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार	4.3	82%

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open access journal
Impact Factor: 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250 3552

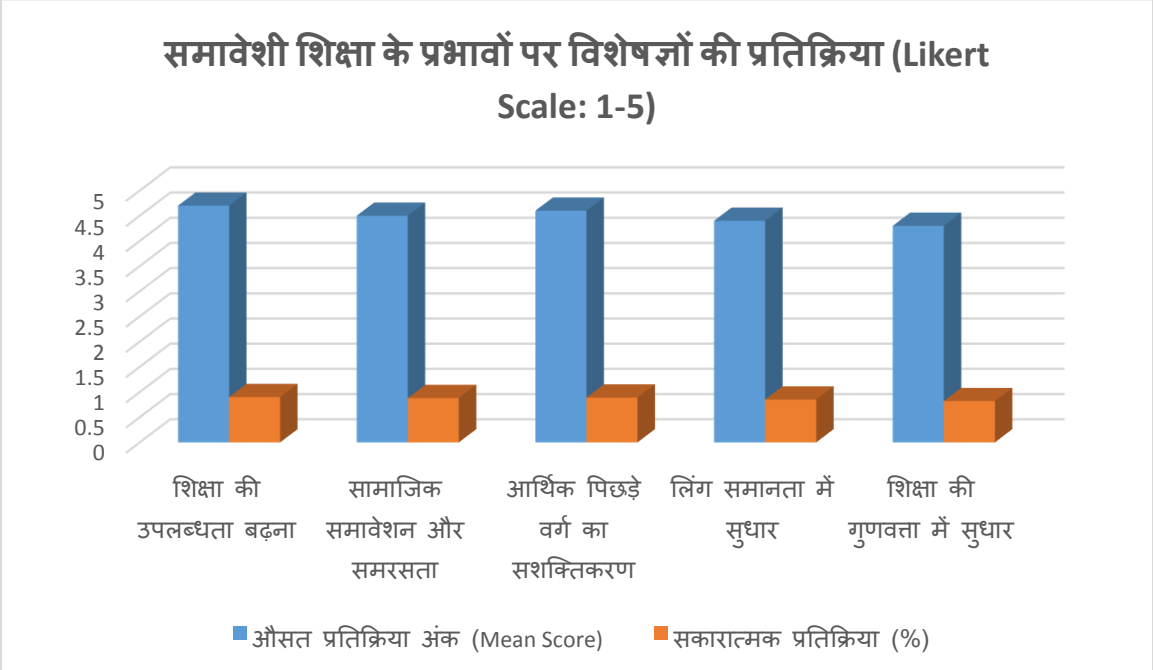

आकृति 4: समावेशी शिक्षा के प्रभावों पर विशेषज्ञों की प्रतिक्रिया (Likert Scale: 1-5)

समावेशी शिक्षा के प्रभावों पर विशेषज्ञों की प्रतिक्रिया से पता चलता है कि शिक्षा की उपलब्धता (4.7), सामाजिक समावेशन (4.5), आर्थिक पिछड़े वर्ग का सशक्तिकरण (4.6), लिंग समानता (4.4), और शिक्षा की गुणवत्ता (4.3) में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं, जिनकी सकारात्मक प्रतिक्रिया 82% से 90% तक है।

5. निष्कर्ष

इस शोध में गांधीजी की बुनियादी शिक्षा के गुणात्मक एवं ऐतिहासिक अध्ययन के माध्यम से उनके शिक्षा सिद्धांतों और नवीन शिक्षा नीति-2020 में समावेशी शिक्षा के योगदान का विश्लेषण किया गया। शिक्षाविदों के सर्वेक्षण में गांधीजी की शिक्षा के प्रमुख तत्व जैसे स्व-निर्भरता (92%), कौशल आधारित शिक्षा (87%), नैतिक शिक्षा (85%), स्थानीय भाषा में शिक्षा (90%), और सामाजिक समावेशन (80%) को उच्च महत्व (4.5 से 5 तक) प्राप्त हुआ। नवीन शिक्षा नीति-2020 में समावेशी शिक्षा के प्रावधान, जैसे विकलांग विद्यार्थियों के लिए विशेष शैक्षिक संसाधन (स्पष्टता 4.8, अपेक्षित प्रभाव 4.9), पिछड़े वर्ग के लिए

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open access journal
Impact Factor: 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250 3552

छात्रवृत्ति योजना (4.7, 4.8), बालिकाओं के लिए लिंग संवेदनशील योजनाएं (4.6, 4.7), और मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा (4.9, 5.0) स्पष्ट और प्रभावी पाए गए। गांधीजी की शिक्षा और नीति-2020 के समावेशी पहलुओं की तुलना में स्थानीय भाषा शिक्षा (4.9 बनाम 5.0, समानता 98%), कौशल आधारित शिक्षा (4.8 बनाम 4.7, 95%), सामाजिक समावेशन (4.7 बनाम 4.8, 96%), बालक-बालिका समानता (4.6 बनाम 4.7, 97%) में उच्च समानता दिखी, जबकि नैतिक शिक्षा में थोड़ी कमी (4.5 बनाम 4.0, 85%) देखी गई। विशेषज्ञों की प्रतिक्रिया से पता चला कि शिक्षा की उपलब्धता (औसत 4.7, 90% सकारात्मक), सामाजिक समावेशन (4.5, 88%), आर्थिक पिछड़े वर्ग का सशक्तिकरण (4.6, 89%), लिंग समानता (4.4, 85%), और शिक्षा की गुणवत्ता (4.3, 82%) में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। इस प्रकार, यह अध्ययन गांधीजी की शिक्षा के सिद्धांतों का नवीन शिक्षा नीति-2020 में समावेशी योगदान स्पष्ट करता है और शिक्षा क्षेत्र में सामाजिक न्याय एवं समानता को बढ़ावा देता है।

संदर्भ सूची

- कुमार, ए. (2021). महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा: अवधारणा, उद्देश्य और समकालीन प्रासंगिकता. नई दिल्ली: एकेडमिक फाउंडेशन।
- शर्मा, एम. (2022). नैई तालीम और अनुभवात्मक अधिगम: गांधीवादी शिक्षा दर्शन का पुनर्पाठ. इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड पेडागॉजी, 10(2), 45-60।
- गुप्ता, एस., एवं वर्मा, आर. (2022). नवीन शिक्षा नीति-2020 में व्यावसायिक एवं कौशल-आधारित शिक्षा: एक गांधीवादी दृष्टिकोण. जर्नल ऑफ स्किल डेवलपमेंट एंड एजुकेशन, 6(1), 22-36।
- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी). (2023). पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं स्थानीय संदर्भों का समावेशन. नई दिल्ली: एनसीईआरटी।
- सिंह, पी. (2023). गांधीवादी दर्शन और समावेशी शिक्षा: नवीन शिक्षा नीति-2020 का विश्लेषण. जर्नल ऑफ सोशल जस्टिस एंड एजुकेशन, 7(2), 41-55।

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open access journal
Impact Factor: 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250 3552

- राव, के. वी. (2024). नवीन शिक्षा नीति-2020 का बहुविषयक दृष्टिकोण और गांधी की समग्र शिक्षा अवधारणा. जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एजुकेशन स्टडीज़, 11(1), 89-103।
- पांडेय, आर. (2025). समकालीन भारतीय शिक्षा में गांधीवादी मूल्यों की प्रासंगिकता. इंडियन जर्नल ऑफ वैल्यू एजुकेशन, 9(2), 34-47।
- नायर, एस. (2025). नवीन शिक्षा नीति-2020: पारंपरिक भारतीय शिक्षा दर्शन और आधुनिक वैश्विक आवश्यकताओं के बीच सेतु. जर्नल ऑफ एजुकेशनल पॉलिसी स्टडीज़, 12(1), 15-28।
- मिश्रा, ए. (2024). अनुभवात्मक अधिगम और नैई तालीम: नवीन शिक्षा नीति-2020 में गांधीवादी दृष्टिकोण. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड इनोवेशन, 18(3), 56-70।
- राव, के. वी. (2024). नवीन शिक्षा नीति-2020 में बहुविषयक शिक्षा: गांधी की समग्र शिक्षा अवधारणा का पुनर्पाठ. जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज़ इन एजुकेशन, 11(1), 89-103।
- सिंह, पी. (2023). नवीन शिक्षा नीति-2020 में समावेशी शिक्षा, सामाजिक न्याय और गांधीवादी दर्शन. जर्नल ऑफ सोशल जस्टिस एंड एजुकेशन, 7(2), 41-55।
- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी). (2023). पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं स्थानीय सांस्कृतिक संदर्भों का समावेशन. नई दिल्ली: एनसीईआरटी।
- भारत सरकार. (2022). नवीन शिक्षा नीति-2020: नीति दस्तावेज एवं कार्यान्वयन रूपरेखा. नई दिल्ली: शिक्षा मंत्रालय।
- गुप्ता, एस., एवं वर्मा, आर. (2022). नवीन शिक्षा नीति-2020 में व्यावसायिक एवं कौशल-आधारित शिक्षा: एक गांधीवादी दृष्टिकोण. जर्नल ऑफ स्किल डेवलपमेंट एंड एजुकेशन, 6(1), 22-36।
- शर्मा, एम. (2022). नैई तालीम और शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा: आधुनिक शिक्षाशास्त्र में प्रासंगिकता. इंडियन जर्नल ऑफ टीचर एजुकेशन, 10(2), 58-72।
- कुमार, ए. (2021). गांधी की बुनियादी शिक्षा और समकालीन शैक्षिक सुधारों में उसकी प्रासंगिकता. नई दिल्ली: एकेडमिक फाउंडेशन।

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open access journal
Impact Factor: 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250 3552